ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली

प्रत्येक आर्यजन का पंजीकरण अनिवार्य

महासम्मेलन में भाग लेने वाले आर्यजन कृपया पंजीकरण हेतु लॉगइन करें-

www.aryamahasammenan.com

पंजीकरण सम्बन्धी आवश्यक निर्देश पृष्ठ 5 पर प्रकाशित किए गए हैं।

वर्ष 48, अंक 49 — एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 29 सितम्बर, 2025 से रविवार 05 अक्टूबर, 2025
विक्रमी सम्वत् 2082 — सृष्टि सम्वत् 1960853126
दयानन्दाब्द : 202 — पृष्ठ : 8
वार्षिक शुल्क : 250 रुपये — दूरभाष: 23360150
ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती एवं 150वें आर्यसमाज स्थापना वर्ष के आयोजनों का समापन

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

30-31 अक्तूबर एवं 1-2 नवम्बर, 2025

स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-110085

आर्य महासम्मेलन की तैयारियां जोरों पर : देश-विदेश में महासम्मेलन को लेकर भारी उत्साह

तैयारियों का निरीक्षण, व्यवस्था समितियों का परिचय तथा लिये गए विशेष निर्णय

आर्य समाज के लिए स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर है - अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025-सुरेन्द्र कुमार आर्य

150 वर्षों से मानव सेवा के पथ पर आगे बढ़ रहा है आर्यसमाज-धर्मपाल आर्य

बैठक को संबोधित करते हुए ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य जी एवं उपस्थित दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य, अखिल भारतीय दयानंद सेवा श्रम संघ, आर्य वीर दल, दिल्ली के सभी वेद प्रचार मंडलों, शिक्षण संस्थानों, आर्य समाजों के अधिकारी कार्यकर्ता और सदस्य तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में संयोजक समितियों के अधिकारी और कार्यकर्ता अत्यन्त उत्साह के वातावरण में

आर्यवीर-वीरांगनाएं, गुरुकुल-कन्या गुरुकुल, विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं का होगा सम्मेलन में आगमन

दिल्ली की समस्त आर्य समाजों, शिक्षण संस्थाओं की नियंत्रक दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अंतरंग सदस्यों, विषेश आमंत्रित महानुभावों, सभासदों की वृहद बैठक 28 सितंबर 2025 को आर्य समाज हनुमान रोड के सभागार में सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी की अध्यक्षता में उमंग उत्साह के वातावरण में संपन्न हुई। बैठक का आरंभ मंत्रोच्चार से हुआ, तदोपरांत दिवंगत आत्माओं के प्रति सामूहिक रूप से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई । गत बैठक की कार्यवाही सभा मंत्री श्री वीरेंद्र सरदाना जी ने पढ़कर सुनाई, जिसकी उपस्थित महानुभावों ने ओम ध्वनि के साथ हाथ उठाकर पुष्टि की। -शेष पृष्ठ 7 पर

महासम्मेलन स्थल पर होने लगा वृहद यज्ञशाला का निर्माण

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में यज्ञशाला की विशालता भव्यता और सौंदर्य अपने आप में अनुपम होता है। इस यज्ञशाला में हजारों आर्य जन एक साथ बैठकर, विद्वानों, आर्य सन्यासियों के निर्देशन में वेद मंत्रों की मधुर ध्वनियों के साथ अपने इष्ट मित्रों, परिजनों के साथ आहुति देते हैं। अत: यज्ञशाला का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है।

मुम्बई की आर्यसमाजों को अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का निमन्त्रण

भारी संख्या में सहभागी बनेंगे मुम्बई महानगर के आर्य नर-नारी - हरीष आर्य, प्रधान

मुम्बई आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्गत मुम्बई स्थित समस्त आर्यसमाजों, विद्यालयों एवं संस्थाओं के अधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों महासम्मेलन में पधारने का निमन्त्रण देने के लिए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के सदस्य श्री प्रकाश आर्य एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी पहुंचे। इस अवसर पर मुम्बई सभा के प्रधान श्री हरीष आर्य जी एवं महामन्त्री श्री विजय गौतम ने भारी संख्या में दिल्ली पहुंचने और भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।

② आर्य समाज 150 — साप्ताहिक आर्य सन्देश — 29 सितम्बर, 2025 से 05 अक्टूबर, 2025

हे शक्ति के स्वामी!

देववाणी-संस्कृत

शब्दार्थ- **शचीपते**=हे शक्ति के स्वामिन्! **यत् अहम्**=यदि मैं **गोपतिः स्याम्**=धन भूमि आदि का स्वामी होऊँ (मेरी मति ऐसी हो कि) मैं **अस्मै मनीषिणे**= इस मन के ईश, पूरे जितेन्द्रिय पुरुष के लिए ही **दित्सेयम्**=इस धन-शक्ति को देना चाहूँ और **शिक्षेयम्**= इसे ही दूँ।

विनय- हे शचीपते! हे शक्ति के स्वामी! तुम सर्वोत्कृष्ट ज्ञानमयी शक्ति के स्वामी हो; और परिपूर्ण होने के कारण अपनी इस शक्ति जगत् के पालन-पोषण में पूर्णतया सदुपयोग कर रहे हो, परन्तु मैं यद्यपि अपूर्ण जीव हूँ, तो भी मुझे अपनी शक्ति का यथा शक्ति पूरा सदुपयोग सदा तुम्हारा अनुकरण करने में ही करना चाहिए। इसलिए मैं चाहता हूँ और संङ्कल्प करता हूँ कि यदि मैं 'गोपति' होऊँ, सच्चा वैश्य बनकर भूमि, गौ, धन का (वैश्यशक्ति का) स्वामी होऊँ तो मै इसका सदुपयोग ही करूँगा। हे सर्वान्तर्यामी परमेश्वर! तुम मुझे ऐसी बुद्धि देना, ऐसी समझ और योग्यता देना कि मैं यह धन संसार के केवल 'इस मनीषी पुरुष' के लिए ही देना चाहूँ और इसे ही दूँ; किसी और को देने को मुझे कभी इच्छा तक न हो, कभी प्रलोभन तक न हो। यह 'मनीषी' वह पुरुष होता है जो अपने मन का ईश है, जो कभी क्षणभर के लिए भी मन का गुलाम नहीं होता, जो जितेन्द्रिय है, जिसे अपने पर पूरा काबू है। ऐसे ही पुरुष को दिया हुआ धन सदुयुक्त होता है, हजारों गुणा फल लाता है, सर्वलोक का हित करता है। हमारे धन के एकमात्र अधिकारी, ये आत्मवशी पुरुष ही हैं। वास्तव में हमारा सब धन, इन संयमी महानुभावों का ही है, परन्तु हे प्रभो! बहुत बार हम अपने किन्हीं तुच्छ स्वार्थों के कारण या केवल या केवल रीति-रिवाज के वशीभूत होकर या अपनी निर्बलता के कारण, अजितेन्द्रिय 'लोगो'-भोगी, विलासी 'सन्तों'-को दान दे देते हैं। ओह! यह तो तुम्हारी दी हुई धन-शक्ति का घोर दुरुपयोग है, यह पाप है! यह दान नही है। यह या तो रिश्वत है या आत्मघात करना है। नहीं, यह सम्पूर्ण मनुष्य-समाज का व राष्ट्र का घात करना है, द्रोह करना है। जो मनीषी नहीं हैं उन्हें धन देने का विचार भी हमारे मन में नहीं आना चाहिए, देने की इच्छा

वेद स्वाध्याय

(दित्सा) ही नहीं होनी चाहिए। जिसे अपने काबू नहीं उसक पास गया हुआ धन उस द्वारा सर्वनाश का कारण होता है। इसलिए, हे शचीपते! मुझे इतनी मुक्ति प्रदान करो कि मैं अनुचित दान के लिए स्पष्ट 'न' कर सकूँ। भोगियों को दिये जानेवाले दान में सम्मिलित न होने की हिम्मत कर सकूँ। हे प्रभो! मैं तो उसी को दान दूँ जो अपने का ईश होने के कारण जनता के हृदयों का ईश हो, अतएव जिसके पास गया हुआ धन सब जनता के लिए हो-सर्व जनता के कल्याण में स्वभावत: ठीक-ठीक उपयुक्त हो जाता हो।

-:साभार:- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025, विश्व के 40 देशों से आर्यजन होंगे सम्मिलित

महासम्मेलन का उद्घाटन करेंगे भारत के यशस्वीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

इस सुंदर मनोहारी संसार में सेवा साधना और परोपकार की पूंजी ही चिरस्था है। राष्ट्र एवं मानव सेवा को समर्पित आर्य समाज के नियम, सिद्धांत और परंपराओं में संसार का उपकार करना, संगठन के नियमों में उद्धृत एक मुख्य उद्देश्य है। आर्य समाज के 150 वर्ष के स्वर्णिम इतिहास में अंकित है कि जब-जब देश, धर्म संस्कृति पर किसी भी तरह की समस्या आई तब-तब आर्य समाज ने आगे बढ़कर मानव सेवा का हाथ बढ़ाया। मानव सेवा और परोपकार का यह क्रम लगातार गतिशील है। और इसमें ऐसा भी नहीं है कि आर्य समाज केवल भारत में ही है अपितु संपूर्ण विश्व में जहां भी आर्य समाज का केंद्र है अथवा आर्यजन रहते हैं वहीं पर महर्षि दयानंद सरस्वती जी के निर्देशानुसार सेवा और परोपकार के कार्य चल रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 30 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 संपूर्ण भारत और विश्व के 40 देशों में सन्देश पहुंच चुका है, जिस अवसर की आर्य जगत को बेसब्री से प्रतीक्षा थी, वह अब हमारे सामने है, हर आयु वर्ग के आर्यजन, स्त्री, पुरुष बालक, बालिकाएं अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025, दिल्ली में पधारने के लिए अत्यंत उत्साह और उमंग से भरपूर हैं। क्योंकि यह अवसर ही कुछ ऐसा अद्भुत और अनुपम है। आर्य समाज द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150 वें स्थापना वर्ष के 2 वर्षीय आयोजनों का शुभारंभ 12 फ़रवरी 2023 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में हुआ था, जिसमें भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी को नमन करते हुए आर्य समाज के गौरवशाली इतिहास को स्वयं स्मरण किया और हम सबको अपनी चिपरिचित शैली में कराया था और आर्य समाज के सेवाकार्यों की उन्मुक्त हृदय सराहना की थी, उस समय आपने आर्य जनों को संबोधित करते हुए कहा था कि ये आयोजन दो वर्ष तक अनवरत चलेंगे, 2024 में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती, जिसे आर्य समाज ने ऋषि की जन्मभूमि टंकारा में ऐतिहासिक रूप से मनाया, जिसमें स्वयं भारत राष्ट्र की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने पहुंचकर कृतज्ञता ज्ञापित की, 2025 में आर्य समाज का स्थापना दिवस मुंबई में मनाया गया, भारत के विभिन्न प्रान्तों और देश-विदेश में हर्षोल्लास से सफ़लता पूर्वक निरंतर उसके आयोजन सफलता पूर्वक होते रहे हैं, प्रसन्नता की बात तो यह है कि इन दो वर्षीय आयोजनों के समापन समारोह के रूप में में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 का उदघाटन भी भारत के यशस्वीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी स्वयं अपने करकमलों से करेंगे।

पिछले दो वर्षों में आर्य समाज द्वारा भारत के कोने कोने में और विदेशों में जितने भी आयोजन हुए हैं, उनसे गांव गांव, शहर शहर, नगर नगर, गली गली महर्षि दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाओं और आर्य समाज के सिद्धांतों को जन जन तक, घर घर तक पहुंचाने का पूरा प्रयास सफलता पूर्वक किया गया है। प्रिंट मिडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी खूब प्रचार प्रसार किया गया है और किया जा रहा है। भारत की सभी प्रांतीय सभाओं, विदेशों की आर्य प्रतिनिधि सभाओं, आर्य समाजों, वानप्रस्थ आश्रमों, वृद्धाश्रमो, गुरुकुलों, कन्या गुरुकुलों, अनाथालयों, डी ए वी शिक्षण संस्थानों, आर्य विद्यालयों, आर्य प्रतिष्ठानों और विश्व व्यापी समस्त आर्य परिवारों ने सभी आयोजनों में पूरी निष्ठा से अपनी सहभागिता और योगदान देकर ऋषि भक्ति, राष्ट्र भक्ति, ईश्वर भक्ति का संदेश संसार को दिया है, महर्षि दयानंद सरस्वती जी और अपने आर्य संन्यासियों, विद्वानों, बलिदानियों, महापुरुषों को नमन करके स्वयं को गौरवान्वित किया है।

आर्य समाज द्वारा आर्य महासम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलनो का इतिहास अत्यंत पुराना है। समय समय पर आर्य समाज महासम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन सफलता पूर्वक मनाता आ रहा है।

शेष पृष्ठ 7 पर

जिस अवसर की आर्य जगत को बेसब्री से प्रतीक्षा थी, वह अब हमारे सामने है, हर आयु वर्ग के आर्यजन, स्त्री, पुरुष बालक, बालिकाएं अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025, दिल्ली में पधारने के लिए अत्यंत उत्साह और उमंग से भरपूर हैं। क्योंकि यह अवसर ही कुछ ऐसा अद्भुत और अनुपम है। आर्य समाज द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150 वें स्थापना वर्ष के 2 वर्षीय आयोजनों का शुभारंभ 12 फ़रवरी 2023 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में हुआ था, जिसमें भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी को नमन करते हुए आर्य समाज के गौरवशाली इतिहास को स्वयं स्मरण किया हम सबको अपनी चिपरिचित शैली में कराया था और आर्य समाज के सेवाकार्यों की उन्मुक्त हृदय सराहना की थी, उस समय आपने आर्य जनों को संबोधित करते हुए कहा था कि ये आयोजन दो वर्ष तक अनवरत चलेंगे, 2024 में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती, जिसे आर्य समाज ने ऋषि की जन्मभूमि टंकारा में ऐतिहासिक रूप से मनाया, जिसमें स्वयं भारत राष्ट्र की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने पहुंचकर कृतज्ञता ज्ञापित की, 2025 में आर्य समाज का स्थापना दिवस मुंबई में मनाया गया, भारत के विभिन्न प्रान्तों और देश विदेश में हर्षोल्लास से सफ़लता पूर्वक निरंतर उसके आयोजन सफलता पूर्वक होते रहे हैं, प्रसन्नता की बात तो यह है कि इन दो वर्षीय आयोजनों के समापन समारोह के रूप में में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 का उदघाटन भी भारत के यशस्वीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी स्वयं अपने करकमलों से करेंगे।

आया आर्य महासम्मेलन

आओ, साथ चलें हम, मिलकर कदम बढ़ाएं।
आया आर्य महासम्मेलन, इसको सफल बनाएं।।

विश्व शांति मंगल यज्ञ का अनुपम है आयोजन
होगा सुखी जगत ये सारा पावन होगा तनमन
आओ मिलकर यज्ञ करें हम, विश्व धरा महकाएं
आया आर्य महासम्मेलन, इसको सफल बनाएं।

देश-धर्म का नाता है और गऊ हमारी माता
रिश्ते-नाते टूट रहे हैं-कहां है भगनी-भ्राता
जनसंख्या संतुलित होवे जन-जन को समझाएं
आया आर्य महासम्मेलन-इसको सफल बनाएं।

एक लक्ष्य और एक ध्वज, हम एक ही नारा बोलें
अंधवश्विास और पाखंडों के झूठ की पोलें खोलें
वैदिक धर्म सनातन प्यारा जन-जन को समझाएं
आया आर्य महासम्मेलन, इसको सफल बनाए।।

रचना:-आचार्य अनिल शास्त्री

आर्यों का त्यौहार

विश्व के कोने-कोने से आएंगे है आर्य परिवार
सिर्फ सम्मेलन नहीं है ये तो ये आर्यों का त्यौहार
आया आर्यों का त्यौहार, मनाओं आर्यों का त्यौहार
ये है आर्यों का त्यौहार

महाकुंभ ये मिलकर मनाएं देख ले ये संसार
अब तक किया क्या- है करना मिलकर करें विचार
मिलकर करें विचार, मिलकर करें विचार
ये है आर्यों का त्यौहार

विश्वमार्यम लक्ष्य हमारा, आर्यों की पुकार
लक्ष्य को है हासिल करना, हो जाओ तुम तैयार
ये है आर्यों का त्यौहार

विश्व के कोने-कोने से आए हें, आर्य परिवार
ये है आर्यों का त्यौहार.........

रचना: विनय आर्य

परिवर्तन : आता नहीं है - लाया जाता है। महर्षि दयानन्द सरस्वती जी : एक संक्षिप्त जीवन परिचय

महिलाओं की दशा में परिवर्तन क्रांति

गतांक से आगे -

ऋषि दयानन्द से पहले कोई कन्या को पढ़ाने की सोचता भी था तो उसको रोकने के लिए 10 लोग पहुंचते थे, आज कोई बेटी को नहीं पढ़ने भेजता तो उसको ऐसा करने के लिए कहने वाले 100 लोग हैं यही तो है परिवर्तन की क्रांति।

उस समय महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का इस विषय पर कहना था कि-

"आजकल स्त्री को विद्या पढ़ने का अधिकार नहीं है। वह शूद्र के समान है। यदि स्त्रियां पढ़ी-लिखी होती तो आज इन पण्डितों की गड़बड़ाहट का खण्डन करके एक घड़ी में इनका मुंह बन्द कर देती।"

(पूना प्रवचन-उपदेश मंजरी)

"शिक्षा का परिणाम पाप हो तो पुरुषों कोई भी अशिक्षित ही रहना चाहिए। अधिकांश पाप कर्म अपढ़ और कुपढ़ जन ही किया करते हैं। स्त्रियों में विद्या का विस्तार अवश्मेव होना चाहिए।"

(श्रीमद्दयानन्द प्रकाश)

"स्त्रियों को विद्या अवश्य पढ़नी चाहिए क्योंकि बिना विद्या के मनुष्य की बुद्धि पशु की बुद्धि के तुल्य है।

(ऋषि दयानन्द के पत्र और विज्ञापन-2)

'विधवा पुनर्विवाह' एक क्रान्ति का सूत्रपात:- अब बात करें कि सती प्रथा का प्रचलन क्यों बढ़ रहा था? तो उसके पीछे सबसे बड़ा कारण विधवाओं की सामाजिक दशा थी। आततायी मुस्लिम शासन में बाल विवाह बढ़े, ताकि माता-पिता शीघ्र अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाएं और मुस्लिम गुंडे भी कुंवारी लड़कियों को उठा ले जाने में विश्वास करते थे। मृत्युदर अधिक होने के कारण बहुधा बच्चों की मृत्यु होने पर उस बेटी को बाल विधवा कह दिया जाता था। उसे हिन्दू अंधविश्वास के कारण, पनौती (अशुभ) माना जाता था, तो उसे घर वाले न सुख से रहने देते, न सुविधा देते, ऐसी जिन्दगी से अच्छा तो मर जाना लगता था। इसका लाभ लेकर मुस्लिम ऐसी विधवाओं से विवाह करने का प्रपंच करने लगे, जिससे समाज ने इन्हें मार देना ज्यादा उचित समझा। ऐसे ही सती प्रथा प्रारम्भ हुई । धर्म के नाम पर महिमा मंडन किया जाने लगा। जो मारना नहीं चाहते थे, वे घर पर भी नहीं रखना चाहते थे। उन्होंने वृन्दावन आदि के मन्दिरों में देवदासी बनाकर भेजना आरम्भ किया। 'आसमान से गिरे खजूर पर अटके' वाली बात हुई - वहां से बची पर यहां शोषण से न बच सकी। दयानन्द ने विधवाओं की इसी दुर्दशा पर अपने आंसू बहाए थे और इसे देश की दुर्गति का कारण माना था। महर्षि दयानन्द ने इसके लिए अत्यन्त करुण शब्दों में कहा है। उनके एक-एक शब्द पर आर्य समाज के लाखों अनुयायियों ने कार्य आरंभ किया। समाज में विधवाओं की जो स्थिति थी, ऐसे में उसके विवाह की बात भला कौन सोच सकता था। सती प्रथा के विरुद्ध कानून का निर्माण तो राजा राममोहन राय के सहयोग और प्रयास से बन चुका था, किन्तु उसको सामाजिकता में लागू करना तब तक संभव नहीं था, जब तक बाल विधवाओं के पुनर्विवाह को समाज स्वीकार नहीं करता। कहने में तो बात सिद्धान्तत: अच्छी लगती है पर प्रश्न है कि विवाह करे कौन? आज भी यह कोई सरल कार्य नहीं। 150 वर्ष पहले की स्थिति का अंदाजा लेना कठिन नहीं है। किन्तु आर्य समाज ने इसके लिए विराट आंदोलन खड़ा किया। एक-एक आर्य व्यक्ति ने संकल्प लेना शुरू किया- 'मैं अपने एक बेटे का विवाह किसी विधवा से ही करूंगा'। विचारपूर्वक आंखें बन्द करके सोचकर देखना- ये कहना कितना कठिन था और निभाना कितना कठिन। पर सब आर्यों ने संकल्पित होकर समाज के सब रूढ़ी और बंधनों को तोड़कर इसको निभाया भी।

आर्यसमाज का विधवा विवाह आन्दोलन किस कदर प्रभावी था, एक उदाहरण आप मुंशी प्रेमचन्द जी का ही लें- प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द ने भी समाज के परिवर्तनकारी यज्ञ में स्वयं की आहुति देते हुए समाज की धारा के विपरीत जाकर एक बाल विधवा से ही विवाह किया। सामाजिक बहिष्कार हुआ, जुल्म हुए, पर संकल्प पूरा किया। एक-एक करके हजारों ने विधवाओं से विवाह किया। परम्पराएं टूटी, तभी सती प्रथा पर रोक लगी, विधवाओं के जीवन से काला अंधियारा हट गया, नई रोशनी, नई किरण दिखाई आर्य समाज ने। समाज का वातावरण बदला।

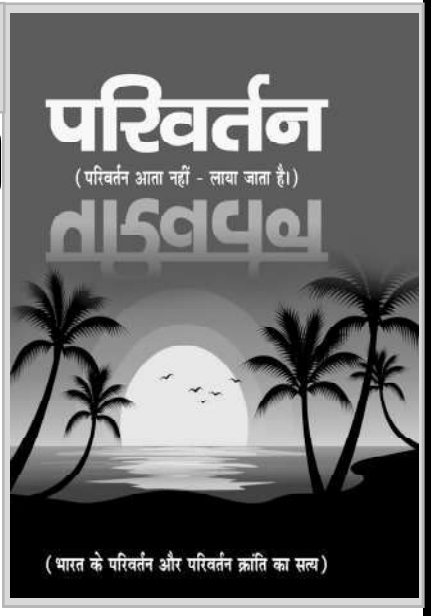

क्या केवल विधवा विवाहों को करने के संकल्प से ही ये आन्दोलन पूरा हो गया, नहीं वस्तुत: इसके लिए आर्यसमाज ने अनेकों कानूनी लडाइयां लड़ी, आर्यसमाज मुरादाबाद के कार्यकर्ता वकील पं. सोमदेव शास्त्री ने 1935-342 तक हिन्दू विवाह कानून बनवाने की कानूनी लड़ाई लड़ी, पर महत्त्वपूर्ण यह है कि उसके विरोध में सामने वकील अब्दुल सज्जाद लड़ रहे थे, जिन्हें हमारे धर्म के ठेकेदारों ने ही पैसे देकर खड़ा किया था, क्योंकि इस कानून से दोनों रास्ते बन्द होते थे- मन्दिरों में देवदासी के रूप में बाल विधवाओं के जाने का रास्ता और इन बाल विधवाओं को भगाकर मुस्लिमों द्वारा विवाह कर लेने का रास्ता। सोचो आर्यों के उस समय के संघर्ष को।

क्रमश:

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
वैदिक प्रकाशन
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

29 सितम्बर, 2025
से
05 अक्टूबर, 2025

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025

एक रूपीय विराट यज्ञ के आयोजन हेतु विभिन्न स्कूलों, कालोनियों में यज्ञ प्रशिक्षण

महर्षि दयानंद सरस्वती जी की आज्ञा के अनुसार जैसे आर्य समाज वेद के पढ़ने-पढ़ाने को अपना परम धर्म मानता है, वैसे ही यज्ञ के करने-कराने को भी पिछले 150 वर्षों से अपना परम कर्तव्य मानता आ रहा है। आर्य समाज अग्निहोत्र के साथ ही मानव सेवा और परोपकार को भी यज्ञ का ही विशेष रूप मानता आया है, इस क्रम में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के समस्त कार्यक्रम भी अपने आप में यज्ञ का ही रूप हैं। किन्तु पूर्व अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की भांति इस महा सम्मेलन में भी वृहद एक रूपीय यज्ञ का विशाल आयोजन होगा, इसके लिए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के धर्माचार्य, संवर्धकों ने यज्ञ प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन पिछले कई महीनो से शुरू किया हुआ है, जिसमें आर्य विद्यालयों में जा जाकर एक रूपीय यज्ञ की विधि सिखाई जा रही है। जिससे जब यज्ञ का आयोजन हो तो उस समय सभी यज्ञ कर्ताओं की वेशभूषा, सभी का कतारबद्ध बैठने का तरीका, आचमन, प्रार्थना उपासना मंत्रों का पाठ, अग्न्याधान, समिधादान, घी और सामग्री चढ़ाने की विधि सबका एक ही रूप होवे, सब लोग यज्ञ करते हुए एक समान ही व्यवहार करें, सबका एक ही लक्ष्य हो केवल और केवल यज्ञ करना, यज्ञ करना और यज्ञ करना। तभी एक रूपीय का प्रेरक स्वरूप बनेगा, तभी यह यज्ञ एक प्रेरणा का इतिहास बनेगा। यहां प्रस्तुत है यज्ञ प्रशिक्षण शिविरों की झलकियां। **अतः आइए अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आयोजित होने वाले एक रूपीय विशाल यज्ञ के हम साक्षी अवश्य बनें, किन्तु इसके साथ ही सपरिवार, इष्टमित्रों सहित सर्वकालिक यज्ञशाला में विद्वानों के ब्रह्मत्व में यज्ञ में आहुति दें, यज्ञ का दूसरा चरण विद्वानों की संगति करें, और अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025, दिल्ली के आयोजन में दान देकर पुण्य अर्जित करें**

हैदरपुर काची पार्क में यज्ञ प्रशिक्षण

जय-जय कॉलोनी शिवविहार में यज्ञ प्रशिक्षण का दृश्य

जनपथ कॉलोनी में यज्ञ प्रशिक्षण

जहांगीरपुरी में यज्ञ प्रशिक्षण

विश्वासनगर, शिवशक्ति धर्मशाला में यज्ञ प्रशिक्षण

पूर्वी दिल्ली में यज्ञ रथ के माध्यम से निमंत्रण एवं प्रचार

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की मूलभूत तैयारियों का शुभारंभ

स्वर्ण जयंती पार्क, सेक्टर-10 रोहिणी के 65 एकड़ भूमि पर आयोजित होने वाले विशाल, विराट, भव्य महासम्मेलन की तैयारियों की योजनाओं को क्रियान्वित करते हुए अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता

यह सर्वविदित है कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के 2 वर्षीय आयोजनों के समापन समारोह के रूप में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 अत्यंत विशाल विराट और भव्य रूप से ऐतिहासिक होगा। जिसमें भारत के कोने-कोने से और विश्व के 40 देश से लाखों की संख्या में आयोजन सम्मिलित होंगे कार्यक्रम स्थल का क्षेत्रफल लगभग 65 एकड़ होगा। जिसके चारों ओर चोड़ी-चोड़ी सड़के, मेट्रो स्टेशनों से कार्यक्रम स्थल की दूरी दो किलोमीटर के लगभग, पास में खुला एकदम खुला बड़ा स्वर्ण जयंती पार्क, मैदान, पास ही आउटर रिंग रोड जो पूरी दिल्ली को एक साथ जोड़ने का साधन है। इन सब सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आर्य समाज द्वारा इस स्थान को चुना गया अब यहां पर संपूर्ण कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर मूलभूत सुविधाओं की तैयारी का शुभारंभ हो गया है।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती एवं 150वें आर्यसमाज स्थापना वर्ष के आयोजनों का समापन समारोह

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2025

निमन्त्रण, कार्य योजनाओं, व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न आर्य संगठनों के साथ बैठक

आर्यसमाज शाहबाद मोहम्मदपुर

आर्यसमाज कापसहेडा एवं फरूखनगर

आर्यसमाज डिफेन्स कॉलोनी

आर्यसमाज रेमा, जनपद चन्दौली, उत्तरप्रदेश

आर्यसमाज गुड़मंडी

डॉ. शिवनारायण इंटर कॉलेज, कानपुर में प्रशिक्षण शिविर

ओ३म्

आर्य समाज सार्द्ध शताब्दी
अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, 2025

आर्यसमाज स्थापना के 150वें वर्ष

200वीं जयंती

30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025

स्वर्ण जयंती पार्क, सैक्टर 10, रोहिणी, नई दिल्ली 110085

वेबसाइट पर आज ही अपना पंजीकरण करें

www.aryamahasammelan.com

पंजीकरण हेतु उपयोगी निर्देश

समूह (Group) बनाऐं	समूह नायक (Group Leader)	समूह के सदस्यों का पंजीकरण
परिवहन के साधन, आगमन प्रस्थान के समय, आवास चयन, संस्था आदि के आधार पर प्रतिभागियों के अलग-अलग समूह बनाएं।	बेहतर प्रबंध हेतु छोटे-छोटे समूह बनाएँ (जैसे 25 सदस्य) और प्रत्येक जत्थे का समूह नायक चुनें।	एक-एक करके समूह के सभी सदस्यों का पंजीकरण करें। सभी का अलग- अलग मोबाईल नंबर देंगे तो बेहतर रहेगा।
आवास	**आगमन / प्रस्थान**	**पंजीकरण संख्या**
प्रत्येक समूह की आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क अथवा सशुल्क आवास चुनें। अपने आवास की व्यवस्था स्वयं भी कर सकते हैं।	प्रत्येक समूह के परिवहन के साधन, आगमन / प्रस्थान के समय और स्थान की सूचना देवें। यह जानकारी टिकट बुक होने के बाद भी दे सकते हैं।	सफल पंजीकरण के बाद प्रत्येक सदस्य की पंजीकरण संख्या उसके मोबाईल नंबर पर भेज दी जाएगी।

नि:शुल्क एवं सशुल्क दोनों ही प्रकार के आवासों की सीमित उपलब्धता है जो कि पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवंटित किये जायेंगे। अत: अपना व अपने साथियों का पंजीकरण आज ही करा लेवें।

कृपया 30 सितम्बर 2025 तक सभी जानकारी अवश्य डाल देवें ताकि हम आपको अच्छी से अच्छी सुविधाएं उपलब्ध करा सकें।

पंजीकरण में किसी भी प्रकार की सहायता के लिए 93 1172 1172 पर संपर्क करें

आर्य महासम्मेलन 2025 के शुभ अवसर पर विशेष प्रकाशित

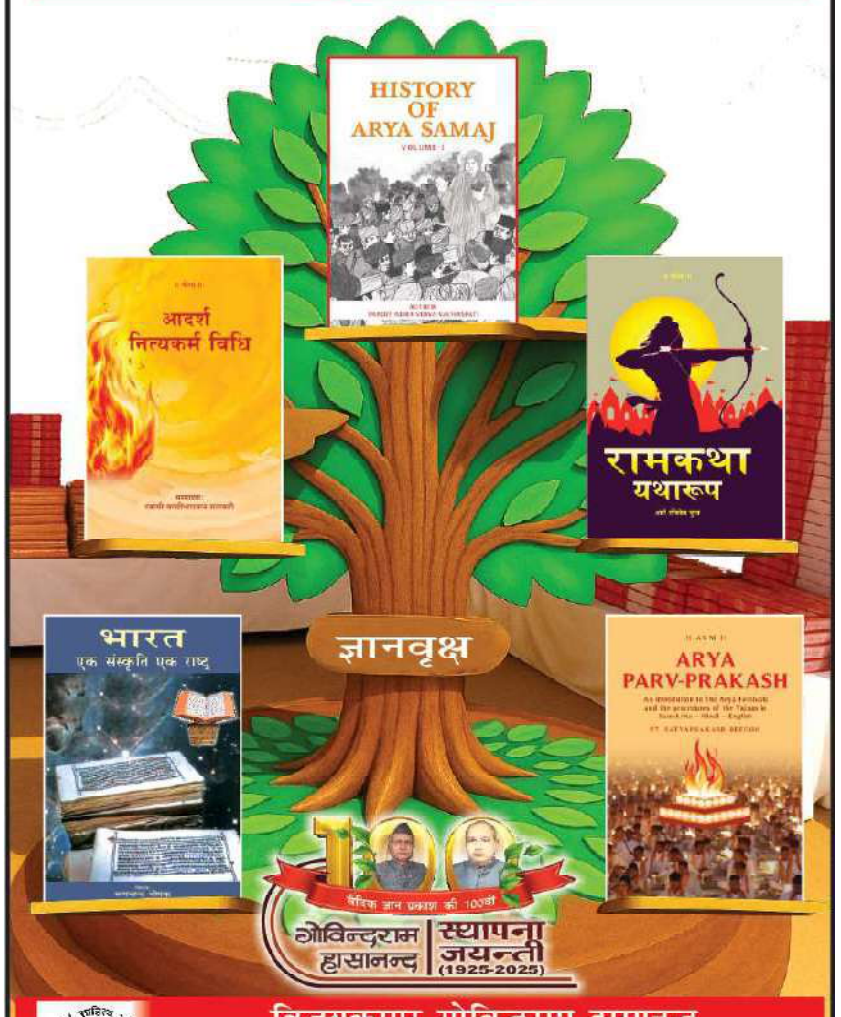

विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द
4408, नई सड़क, दिल्ली-110006
दूरभाष : 8800854372, 011-45512973
Email: ajayarya16@gmail.com; Web: www.vedicbooks.com

Some inspiring teachings of Maharishi Dayanand

Continue From Last Issue

ओ३म्

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयंती

आर्य समाज स्थापना के 150वें वर्ष

आर्य समाज सार्द्ध शताब्दी
अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, 2025

30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025

स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर 10, नई दिल्ली 110085

वेबसाइट पर आज ही अपना पंजीकरण करें
www.aryamahasammelan.com

आवास सम्बंधी जानकारी

- पंजीकरण के समय अपनी इच्छानुसार नि:शुल्क अथवा सशुल्क आवास का विकल्प चुनें।
- महासम्मेलन के समय दिल्ली में (केवल रात्रि में) हल्की ठण्ड हो सकती है। अत: अपने साथ मोटी चादर रखें।
- सुविधापूर्वक महासम्मेलन का आनंद लेने के लिए अपने साथ न्यूनतम सामान लायें।
- कोई भी कीमती सामान जैसे सोने की चेन, कड़ा, अत्यधिक धनराशि आदि नहीं लायें। ज्यादातर स्टॉलों पर Online Payment की सुविधा उपलब्ध होगी।

नि:शुल्क आवास

नि:शुल्क आवास चुनने वाले महानुभावों हेतु महासम्मेलन स्थल एवं निकटवर्ती आर्य समाज मंदिरों, विद्यालयों, धर्मशालाओं आदि में व्यवस्था की जा रही है। इसके अंतर्गत आवास संबंधी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। नि:शुल्क आवास का आवंटन सम्मेलन स्थल पर किया जायेगा।

सशुल्क आवास

सशुल्क आवास चुनने वाले महानुभावों हेतु निकटवर्ती होटलों आदि में व्यवस्था की जा रही है। महासम्मेलन स्थल पर रुकने के इच्छुक महानुभावों के लिए भी विशेष सशुल्क व्यवस्था की जा रही है।

होटल में AC रूम
- डबल बेड
- अटैच्ड बाथरूम

2 व्यक्तियों के लिए ₹ 1500 प्रतिदिन से शुरू

होटल आवास से सम्मेलन स्थल पर आने-जाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

स्थान सीमित हैं शीघ्र बुकिंग करायें।

सम्मेलन स्थल पर सशुल्क बेड
- 1 टेंट में 100 बेड
- फोल्डिंग पलंग
- गद्दा, कम्बल, तकिया
- कॉमन शौचालय

प्रति व्यक्ति ₹ 1000 5 दिनों के लिए

सशुल्क आवास बुक करने के लिए

वेबसाइट पर My Account में जाकर Book Paid Accommodation पर क्लिक करें। उन सदस्यों को चुनें जिनके लिए आवास बुक करना है। अगले पेज पर चेकइन और चेकआउट की तिथियाँ डालें। इच्छित आवास का विकल्प चुनें और ऑनलाइन भुगतान करें। 20 अक्टूबर 2025 के लगभग सशुल्क आवास का आवंटन किया जायेगा और इसकी जानकारी भेज दी जाएगी।

• ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति • सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा • दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
◆ 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001 ◆ संपर्क सूत्र - 93 1172 1172 ◆ ईमेल : aryasabha@yahoo.com

With courtesy by the biography of "Maharshi Dayanand" re-published on the occasion of 200th birth anniversary and written by Pt. Indra Vidyavachaspati Ji. To buy online login WWW. vedicprakshan.com ir contact - 9540040339

पृष्ठ 1 का शेष

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अंतरंग सभासदों, विशेष आमंत्रित महानुभावों सदस्यों की बैठक संपन्न

सभा प्रधान जी ने तथाकथित सार्वदेशिक सभा के निर्वाचन के भ्रामक और असत्य प्रचार से सभी को अवगत कराया और गुरुकुल कांगड़ी की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्रदान की। सभा महामंत्री जी ने दिल्ली सभा के अंतर्गत राम जी लाल भवन देवनगर के कंस्ट्रक्शन के विषय में पूरी जानकारी दी। सभा के साधारण अधिवेशन को निश्चित समय से 6 महीने बाद कराए जाने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ। आर्य समाजों द्वारा दी जाने वाली वार्षिक वेद प्रचार राशि 5100 निर्धारित करने का प्रस्ताव पारित हुआ।

इसके उपरांत अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 की तैयारियों, व्यवस्थाओं को लेकर विचार विमर्श आरंभ हुआ। जिसमें सभा मंत्री जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सम्मेलन में पधारने और उनको निमंत्रण देने गए आर्य समाज के प्रतिनिधि मंडल की भेंटवार्ता का पूरा विवरण सबसे साझा किया। आपने बताया कि विश्व के 38 देशों से आर्यजन पधार रहे हैं, और मॉरिशस के राष्ट्रपति भी महासम्मेलन में पधारेंगे, बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी आर्यजन सम्मेलन में पहुंचेंगे। अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 को लेकर विदेशों में अत्यंत उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

आर्य समाज द्वारा लघु से लघु और विशाल से विशाल आयोजन की सफलता के पीछे प्रेरणा की शक्ति, संगठन शक्ति, सही योजनाओं का निर्माण एवं क्रियान्वयन, सेवा भाव और समर्पण सहित आर्थिक सहयोग आदि की शक्तियां कार्य करती है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती एवं आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के 2 वर्षीय आयोजनों के समापन समारोह के रूप में 30 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक स्वर्ण जयंती पार्क सेक्टर 10, रोहिणी, दिल्ली में चार दिवसीय विशाल, विराट अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की संपूर्ण व्यवस्थाओं की समितियां तैयार हैं, समितियों के अध्यक्ष और पूरी टीम पूरी निष्ठा के साथ अपने अपने दायित्वों को निभाने के लिए सज्ज है, महामंत्री जी उपस्थित समितियों के अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं का परिचय कराया। आपने सम्मेलन से जुड़ी व्यवस्थाओं के विषय में पूरी जानकारी साझा करते हुए बताया कि टॉयलेट से लेकर, निःशुल्क और सशुल्क आवास, भोजन, कार्यक्रम, यज्ञ, आसन, योगासन, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक आयोजन, विभिन्न हालों में होने वाले आयोजन, बच्चों के खेलने, बच्चों की माताओं के विश्राम, बच्चों के अवस्था अनुसार भोजन, कार्यकर्ताओं, विदेशी मेहमानों, राजनेताओं, धर्मनेताओं, विद्वानों, संन्यासियों, अधिकारियों, के भोजन की व्यवस्था, सम्मेलन में शामिल होने की व्यवस्था आदि समस्त जानकारियां प्रदान की। आपने 30 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक विभिन्न कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की, जिससे सभी अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं जेबीएम ग्रुप के चेयरमैन श्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी का जैसे ही पदार्पण हुआ उपस्थित सभासदों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया। सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने पीत वस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। आपने अपने संक्षिप्त और प्रेरक उद्बोधन में आर्य समाज के वृहद संगठन को अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025, दिल्ली को विशेष अवसर बताते हुए कहा कि इस महान अवसर का हमें सदुपयोग करना चाहिए, हम सब मिलकर इसे सफल बनाए, आर्य समाज क्या है, क्या था और आगे क्या होगा इस गहराई से चिंतन करें। आपने आबुधाबी के हिंदू मंदिर के स्वामी जी से हुई वार्ता के महत्वपूर्ण बिंदु भी साझा किए और बताया कि महासम्मेलन में उनके पधारने की संभावना है, आपने गुजरात और महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी साथ प्रवास के अनुभव भी साझा किए, डीएवी चेन्नई तथा प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से भेंट की भी महत्वपूर्ण जानकारियां उपस्थित आर्यजनों को बताई। आपने आर्य समाज के सोशल मीडिया के केंद्र दिल्ली आर्य प्रतिनिधि दिल्ली, कुरुक्षेत्र, पुदुचेरी, सबको एक दूसरे के साथ कनेक्ट होकर प्रचार कार्य करने की बात कही।

इस अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य, अखिल भारतीय दयानंद सेवा श्रम संघ, आर्य वीर दल दिल्ली, दिल्ली के सभी वेद प्रचार मंडलों, शिक्षण संस्थानों, आर्य समाजों के अधिकारी कार्यकर्ता और सदस्य जो कि अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में संयोजक समितियों के अधिकारी और कार्यकर्ता नियुक्त हुए हैं, उनका परिचय भी सभा महामंत्री जी ने कराया। बहुत सकारात्मक और उत्साह के वातावरण में पहले अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 को सफल बनाने में एक जुट होकर तन, मन, धन से सहयोगी बनने के संकल्प के साथ बैठक संपन्न हुई, अध्यक्ष जी सबका धन्यवाद ज्ञापित किया, शांति पाठ के बाद जलपान लेकर सभी आर्य महानुभाव अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर गए।

पृष्ठ 2 का शेष

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025, विश्व ....

किन्तु महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 200वें जयंती वर्ष और आर्य समाज के 150 वें स्थापना वर्ष के आयोजनों की लंबी श्रृंखला के समापन समारोह के रूप में यह विशेष तथा स्वर्णिम अवसर सिद्ध हो रहा है, इससे पूर्व पूरे भारत में और विश्व के कई देशों में भव्य आयोजन हुए हैं, उन सब कार्यक्रमों से अनेक लोग आर्य समाज के संगठन से जुड़े हैं, उन सबको इस भव्य और विशाल अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में सम्मिलित होकर अपने विराट आर्य समाज परिवार से मिलने का अवसर प्राप्त होगा, 200 और 150 वर्षों की लंबा अंतराल, इस कालखंड में महर्षि दयानंद सरस्वती जी से लेकर स्वामी श्रद्धानंद, लाला लाजपत राय, पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी, महात्मा हंसराज, पंडित लेखराम, लाखों स्वतंत्रता सेनानी, हजारों सत्याग्रही, आर्य समाज के आधार स्तंभ समाज सुधारक, अज्ञान, अविद्या अंधविश्वास, ढोंग, पाखण्ड, और कुरीतियों से समाज को बचाने के लिए अपनी, अपने परिवार की परवाह न करते हुए जान की बाजी लगाने वाले रणबांकुरों के आदर्श जीवन जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर प्राप्त होगा, हम क्या थे, क्या हो गए और भविष्य में क्या कर सकते हैं, इन महत्वपूर्ण विषयों पर एक नया चिंतन, मंथन मिलेगा, वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों को, महर्षि दयानंद और आर्य समाज की शिक्षाओं को जन जन तक पहुंचाने के नए नए तरीके मिलेंगे।

-संपादक

सुयोग्य आर्य वर चाहिए

जनकपुरी दिल्ली के प्रतिष्ठित आर्य परिवार (अग्रवाल) की सुयोग्य कन्या जन्म-मई 1996, कद 5 फुट 4 इंच, M.A., M.Ed., दिल्ली विश्वविद्यालय से PHD (अध्ययनरत), वार्षिक आय लगभग 5 लाख, गौर वर्ण, सरल स्वभाव, शुद्ध शाकाहारी, पेंटिंग कला में निपुण, स्वयं का पेंटिंग स्टूडियो, आत्मनिर्भर, स्वयं की कार, के लिए शुद्ध शाकाहारी, मद्यपान/धूम्रपान रहित, 10-15 लाख वर्षिक आय वाला, सुंदर, उच्च शिक्षित, केवल नौकरी वाला आर्य वर चाहिए, जो जनकपुरी दिल्ली में हमारे निवास के निकट रहने को इच्छुक हो।

इच्छुक आर्य परिवार सम्पर्क करें- 87440 64158

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

सोमवार 29 सितम्बर, 2025 से रविवार 05 अक्टूबर, 2025
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं. डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2024-25-2026
LPC, DRMS, दिल्ली-6 में पोस्ट करने की तिथि 2-3-4/10/2025 (वीर-शुक्र-शनिवार)
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2024-25-26
आर.एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 1 अक्टूबर, 2025

ओ३म्

आर्य समाज सार्द्ध शताब्दी
अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, 2025

200वीं जयंती — 150वें वर्ष

30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025

स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर 10, नई दिल्ली 110085

वेबसाइट पर आज ही अपना पंजीकरण करें
www.aryamahasammelan.com

दान हेतु अपील

महासम्मेलन की सफलता हेतु "Delhi Arya Pratinidhi Sabha" के नाम चेक, ड्राफ्ट अथवा ऑनलाइन पेमेंट निम्न बैंक अकाउंट में जमा करवाएं।
किसी भी UPI एप्प से यह QR कोड स्कैन करके UPI पेमेंट भी कर सकते हैं।

Bank Details	QR Code
Bank : **Axis Bank** Branch : **Connaught Place** IFSC Code : **UTIB0002193** A/c No. : **910010008984897** Payee Name : **Delhi Arya Pratinidhi Sabha**	BHIM UPI GPay PhonePe Paytm

महासम्मेलन वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेटबैंकिंग आदि से भी भुगतान कर दान किया जा सकता है

नोट- दान की रसीद हेतु भुगतान का स्क्रीनशॉट / चेक जमा की पावती 9540040388 पर व्हाट्सएप्प करें।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया दान आयकर धारा 80G के अंतर्गत कटौती योग्य है

ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति • सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा • दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
◆ 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001 ◆ संपर्क सूत्र - 93 1172 1172 ◆ ईमेल : aryasabha@yahoo.com

प्रतिष्ठा में,

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा
अमर शहीद स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान शताब्दी
वर्ष 2026 का कैलेण्डर प्रकाशित

मूल्य 1200/- रुपये सैंकड़ा

200 से अधिक प्रतियों के आर्डर देने पर नाम से प्रकाशित करने की सुविधा अतिरिक्त शुल्क (300/- सैंकड़ा) पर उपलब्ध है।
सम्पर्क करें-

व्यवस्थापक, प्रकाशन विभाग
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.)
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
दूरभाष : 011-23360150
मो. 09540040339
ऑन लाइन खरीदें
www.vedicprakashan.com

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष एवं तार्किक समीक्षा के लिए
उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षण मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ — **सत्यार्थ प्रकाश** — सत्य के प्रचारार्थ

प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23x36%16 — मुद्रित मूल्य ₹ 80, प्रचारार्थ मूल्य ₹ 60
विशेष संस्करण (सजिल्द) 23x36%16 — मुद्रित मूल्य ₹120, प्रचारार्थ मूल्य ₹80
पॉकेट संस्करण — मुद्रित मूल्य ₹80, प्रचारार्थ मूल्य ₹50
विशिष्ट पॉकेट संस्करण — मुद्रित मूल्य ₹150, प्रचारार्थ मूल्य ₹ 100
स्थूलाक्षर (सजिल्द) 20x30%8 — मुद्रित मूल्य ₹200, प्रचारार्थ मूल्य ₹120
उपहार संस्करण — मुद्रित मूल्य ₹1100, प्रचारार्थ मूल्य ₹750
सत्यार्थ प्रकाश अंग्रेजी अजिल्द — मुद्रित मूल्य ₹250, प्रचारार्थ मूल्य ₹160
सत्यार्थ प्रकाश अंग्रेजी सजिल्द — मुद्रित मूल्य ₹300, प्रचारार्थ मूल्य ₹200

प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं

कृपया एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द जी की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें..

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph : 011-43781191, 09650522778
E-Mail : aspt.india@gmail.com

JBM Group
Our milestones are touchstones

TECHNOLOGY DRIVING VALUE
TOWARDS CREATING A
CLEANER | GREENER | SAFER
TOMORROW.

JBM Group - Plot No.9, Institutional Area, Sector 44, Gurgaon – 122 002
91-124-4674500-550 | www.jbmgroup.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट प्रिंटर्स, यूनिट नं.-21, प्रधान कॉम्प्लेक्स, मेन रोड मंडावली, दिल्ली-92 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फ़ोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह